दिनाँक 11–01–2019 को अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ में योग क्लब के तत्वावधान में दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसका विषय था "राष्ट्र निर्माण में युवाओं का प्रभावशाली योगदान" । अतिथि वक्ता के रूप में आचार्य आशीष जी दर्शनाचार्य उपस्थित थे । श्री बलबीर सिंह और उनकी टीम के श्री मनमोहन राय गर्ग जी (प्रधान, आर्य समाज सैक्टर–22), श्रीमती दर्शना मलिक, श्री अतुल सचदेवा जी (आर्य समाज, सैक्टर–22), श्री सतीश कौशिक (मन्त्री, आर्य समाज, सैक्टर–7), अतुल सचदेवा (आर्य समाज, सैक्टर–22), श्रीमती प्रेम बहल जी (आर्य समाज, सैक्टर–7), श्रीमती ऋचा बहल (केन्द्रिय विद्यालय, दिल्ली), मैडम दर्शना मलिक, श्री देशबन्धु आर्य (5 भाई फैक्टरी) आदि सभी सदस्य उपस्थित थे । आज के युवा भविष्य के राष्ट्र निर्माता हैं । राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका निश्चित ही महत्वपूर्ण है इस उद्देश्य से अग्रवाल महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता के मार्गदर्शन में दो दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन हुआ । उद्घाटन सत्र में प्राचार्य डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को प्रयत्न करते रहना चाहिए जीवन में उतार–चढ़ाव आते रहते हैं । चुनौतियों से घबराना नहीं चाहिए । इतिहास से सबक लेकर वर्तमान को सुधारना चाहिए, भविष्य स्वतः ही अच्छा बन जाएगा और तभी राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सच्ची भागीदारी होगी । इस सुअवसर पर योग क्लब संयोजक डॉ. बाँके बिहारी ने इस दो दिवसीय कार्यशाला की महत्ता व रूपरेखा पर प्रकाश डाला । आचार्य बलबीर सिंह जी ने अपने वक्तव्य में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि वक्ता श्री आशीष दर्शनाचार्य

जी का परिचय देते हुए बताया कि उन्होंने बी.टैक. करने के साथ–साथ वेदों व उपनिषदों का गहन अध्ययन किया है और 2001 दर्शन योग महाविद्यालयों में अपने वक्तव्य दे चुके हैं साथ ही आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका से भी जुड़े हुए हैं और अनेकानेक राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं । इस दो दिवसीय कार्यशाला में अग्रवाल महाविद्यालय के स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों ने समस्त विभागाध्यक्षों (डॉ. उषा चौधरी, डॉ. रेणु माहेश्वरी, डॉ. प्रवीण गुप्ता, डॉ. सचिन गर्ग, श्रीमती नेहा गोयल के मार्गदर्शन में बढ़चढ़ कर भाग लिया और अपनी सहभागिता दर्ज की ।

मुख्य अतिथि वक्ता श्री आशीष दर्शनाचार्य जी ने विद्यार्थियों को सर्वप्रथम आत्मावलोकन करने को प्रेरित करते हुए अनेकानेक प्रश्नों व दृष्टातों के माध्यम से जीवन से नकारात्मकता समाप्त करने, आत्मबल बनाये रखने और वर्तमान में केन्द्रित रहने की महत्ता को बताया। राष्ट्र निर्माण में युवाओं की विशेष भूमिका है यदि युवा उत्साहहीन व डरा हुआ है तो देश पीछे रह जाएगा। नेता रूप का प्रतिनिधित्व करने के लिए उन्होंने पहल वाले गुण को सवश्रेष्ठ माना। साथ ही बताया सकारात्मकता, अनुशासन व आत्म विश्वास द्वारा सफल समाज बन सकता है, नारे बाजी से नहीं। उन्होंने असफलता का मुख्य कारण भविष्य के बारे में चिंतित रहना व वर्तमान में कर्म में तत्पर न होना बताया ।

आशीष जी के इन विचारों के साथ इस कार्यशाला के प्रथम दिवस के उद्घाटन, प्रथम सत्र का समापन हुआ ।

द्वितीय सत्र में श्री आशीष जी ने पुनः विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए अपने जीवन को बेहतर बनाने के तरीके बताये और देशभक्ति के अनेक उदाहरण देते हुए स्वदेशानुराग को प्रेरित किया और आधुनिक शिक्षा पद्धति पर चर्चा करते हुए बढ़ता भौतिकवाद और घटते नैतिक मूल्य पर भी विचार विनिमय किये। विद्यार्थियों ने प्रश्न पेटिका में अपने प्रश्नों को रखा और आशीष जी ने उनका समाधान किया। श्री बलबीर जी ने कुछ योग की क्रियाएँ करवाई जिससे एकाग्रता व मानसिक शांति बढ़े। इस प्रकार दो दिवसीय कार्यशाला के प्रथम दिवस की सफलतापूर्वक समस्त क्रियाएँ हुईं।